

उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

शास्त्री उपाख्य (Graduate Diploma)

शास्त्री तृतीय सत्र (Shastri Semester III)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम/सत्र 2023-24 से प्रभावी

मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम (Generic Elective Course)

विषय - गृहविज्ञान (HomeScience) Code- GE-03

पत्र - बाल विकास के मूल तत्व

पूर्णांक-100

सैद्धांतिक मूल्यांकन-40

प्रयोगात्मक-30

आंतरिक मूल्यांकन-30

प्रश्न पत्र GE-3 इकाई	पाठ्य विषय-बाल विकास के मूल तत्व	क्रेडिट 05+01
1	वृद्धि एवं विकास: परिभाषा, वृद्धि एवं विकास में अंतर, विकास के प्रमुख क्षेत्र	1
2	विकास के सिद्धांत, विकास को प्रभावित करने वाले कारक, विकास की बाल्यावस्था और किशोरावस्था में विकासात्मक कार्य	1
3	बाल्यावस्था [पूर्व एवं उत्तर]-परिभाषा, शारीरिक एवं क्रियात्मक (गत्यात्मक) विकास, भाषा विकास, संवेगात्मक विकास, संज्ञानात्मक विकास	1
4	किशोरावस्था- परिभाषा, शारीरिक, सामाजिक, संवेगात्मक एवं संज्ञानात्मक विकास	1
5	प्रयोगात्मक : नर्सरी अथवा किंडर गार्डन के बालकों के व्यवहार एवं विकास का निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार करना	1
6	अनुशिक्षण (Tutorial)	1

संदर्भ पुस्तक :-

1. डॉ वृंदा सिंह-मानव विकास, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
2. शर्मा एवं शर्मा-बाल विकास, स्टार पब्लिकेशन, आगरा
3. E.B. Hurlock-Child Development, McGraw Hill Education, London

Duplicate
11/08/2024

Singh
01/08/2024

Singh
1/8/24

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

शास्त्री उपाख्या (Graduate Diploma)

शास्त्री चतुर्थ सत्र (Shastri IV Semester)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम/सत्र 2023-24 से प्रभावी

मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम (Generic Elective Course)

विषय - गृहविज्ञान (HomeScience) Code- GE-04

पत्र - गृह विज्ञान में प्रसार शिक्षा एवं संचार संप्रेषण

पूर्णांक-100

सैद्धांतिक मूल्यांकन-40

प्रयोगात्मक-30

आंतरिक मूल्यांकन-30

प्रश्न पत्र GE-4	पाठ्य विषय : गृह विज्ञान में प्रसार शिक्षा एवं संचार संप्रेषण	क्रेडिट 05+01
इकाई		
1	प्रसार शिक्षा: अर्थ, अवधारणाएँ, उद्देश्य, क्षेत्र, सिद्धांत, प्रसार शिक्षा का दर्शन। भारत में प्रारंभिक प्रयास। औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा	1
2	प्रसार शिक्षण और अधिगम: एक प्रसार कार्यकर्ता की भूमिका और गुण। प्रसार शिक्षण प्रक्रिया में चरण, प्रभावी शिक्षण और अधिगम के लिए मानदंड।	1
3	संचार और प्रसार शिक्षण विधियाँ: परिभाषा, महत्व, विशेषताएँ, तत्व, मॉडल संचार में चुनौतियाँ। संचार, प्रसार और विकास के बीच संबंध। प्रसार शिक्षण विधियाँ- वर्गीकरण, प्रसार शिक्षण विधियों के चयन और उपयोग को निर्देशित करने वाले कारक।	1
4	दृश्य-श्रव्य सहायक सामग्री: परिभाषा, महत्व, वर्गीकरण, चयन, तैयारी और दृश्य-श्रव्य सहायक सामग्री का प्रभावी उपयोग।	1
5	छात्रों को प्रैक्टिकल में निम्नलिखित तैयार करना चाहिए: 1. चार्ट 2. पोस्टर 3. फ्लैश कार्ड 4. पैम्फलेट	1
6	अनुशिक्षण (Tutorial)	1

संदर्भ पुस्तकें:-

डॉ० वी. डी. हरपलानी-गृह विज्ञान में प्रसार शिक्षा, स्टार पब्लिकेशन, आगरा

डॉ० वृंदा सिंह-प्रसार शिक्षा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

डॉ० मंजूपाटनी-गृह विज्ञान प्रसार शिक्षा, स्टार पब्लिकेशन, आगरा

डॉ० वी०के० चौबे, ए हेंडबुक ऑफ़ एजुकेशन एक्सटेंशन, मैक मिलन पब्लिशिंग हाउस, यू.एम.ए.

Signature
1/08/2024

Signature
01/08/2024

Signature
1/8/24

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
शास्त्री उपाख्या (Graduate Diploma)
शास्त्री तृतीय सत्र (Shastri Semester III)
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम/सत्र 2023-24 से प्रभावी
मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम (Generic Elective Course)
विषय: समाजशास्त्र (Sociology)
तृतीय सत्र (GE-03)

पूर्णांक - 100
 सैद्धांतिक मूल्यांकन -70
 आंतरिक मूल्यांकन -30

तृतीय सत्र (GE-03)	पाठ्य विषय - भारत में सामाजिक परिवर्तन	क्रेडिट (05+01)
ईकाई		क्रेडिट
1	सामाजिक परिवर्तन: अर्थ परिभाषाएं एवं प्रमुख विशेषताएं, प्रमुख प्रतिमान रेखीय एवं चक्रीय	1
2	सामाजिक परिवर्तन के कारक: आर्थिक, सांस्कृतिक एवं प्रौद्योगिक	1
3	सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रियाएं: उद्विकास, प्रगति एवं विकास	1
4	सामाजिक आंदोलन: अवधारणा, विशेषताएं एवं प्रकार	1
5	परिचयीकरण: अर्थ, परिभाषाएं, विशेषताएं नगरीकरण: अर्थ, परिभाषाएं, विशेषताएं भारतीय समाज पर प्रभाव	1
6	अनुशिक्षण (Tutorial)	1

प्रमुख पुस्तकें :-

- B Kappuswami 1993- Social Change in India, Konark Publication, New Delhi
- Kingsly Davis, 1995- Human Society, Surjeet Publication, Delhi
- Srinivas, M.N., 2016- आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- Yogesh Atal, 2006 – Changing Indian Society , Rawat Publication, Jaipur
- Ram Ahuja 1999—Indian Social System , Rawat Publication Jaipur
- Rao, M.S.A. 1990—Urban Sociology in India Orient Blackswan Pvt. Ltd. New Delhi
- सिंह जे.पी., 2016— आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन, PHI Learning Pvt. Ltd. New Delhi
- शर्मा के.एल. 2006— भारतीय सामाजिक संरचना एवं परिवर्तन, रावत पब्लिकेशन, जयपुर





Dr. J. P. Singh
1/8/24

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

शास्त्री उपाख्या (Graduate Diploma)

शास्त्री चतुर्थ सत्र (Shastri Semester IV)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम/सत्र 2023-24 से प्रभावी

मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम (Generic Elective Course)

विषय: समाजशास्त्र (Sociology)

चतुर्थ सत्र (GE-04)

पूर्णांक - 100

सैद्धांतिक मूल्यांकन -70

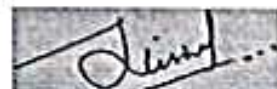
आंतरिक मूल्यांकन -30

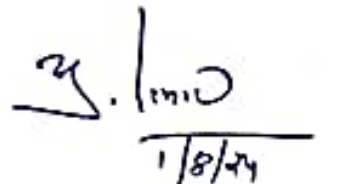
चतुर्थ सत्र GE-04	पाठ्य विषय - भारतीय सामाजिक समस्याएं	क्रेडिट (05+01)
ईकाई		क्रेडिट
1	सामाजिक समस्याएं : अवधारणा, विशेषताएं, एवं प्रकार	1
2	बेरोजगारी : परिभाषा, अवधारणा, प्रकार, कारण एवं प्रभाव	1
3	निर्धनता: अवधारणा, प्रकार, कारण, सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाएं- इंदिरा आवास योजना, संपूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना (SGRY) एवं मनरेगा (MANREGA)	1
4	पारिवारिक समस्याएं: घरेलू हिंसा, दहेज	1
5	मध्यमान: अवधारणा व कारण, भिक्षावृत्ति: अवधारणा व कारण	1
6	अनुशिक्षण (Tutorial)	1

प्रमुख पुस्तकें:-

- Ahuja Ram: Social Problems in India, Rawat Publication Jaipur
- Morton, Nisbert R: Contemporary Social Problems; "Swenders College Publishing, U.S.A."
- आहुजा राम : सामाजिक समस्याएं, रावत पब्लिकेशन, जयपुर, 2016
- गुप्ता एम.एल. एवं शर्मा डी.डी. : भारतीय सामाजिक समस्याएं, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा
- गुप्ता, एम.एल. एवं शर्मा डी.डी. : समकालीन भारत में सामाजिक समस्याएं, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा







उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

शास्त्री उपाख्या (Graduate Diploma)

शास्त्री तृतीय सत्र (Shastri Semester III)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम/सत्र 2023-24 से प्रभावी

मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम (Generic Elective Course)

विषय: राजनीति विज्ञान (Political Science) कोड: GE-03

पत्र: भारतीय राजनीतिक चिंतन

पूर्णांक: - 100

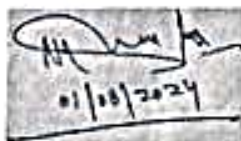
सैद्धान्तिक - 70

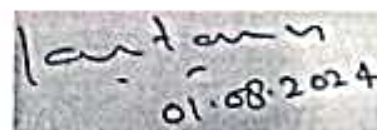
आन्तरिक मूल्यांकन - 30

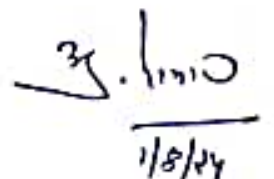
तृतीय सत्र GE-3	पाठ्य विषय-भारतीय राजनीतिक चिंतन	क्रेडिट 05+01
इकाई		क्रेडिट
1.	भारतीय राजनीतिक चिंतन के स्रोत, विशेषताएं	1
2.	मनु-राजनीतिक विचार, कौटिल्य का सप्तांग सिद्धांत	1
3.	शुक्र नीति	1
4.	स्वामी विवेकानन्द-राजनीतिक दर्शन	1
5.	महात्मा गाँधी-सर्वोदय विचार, अम्बेडकर-न्याय सम्बन्धी विचार	1
6.	अनुशिक्षण (Tutorial)	1

Readings:

- डॉ. ए. पी. अवस्थी (2012-13), भारतीय राजनीतिक विचारक
- ओमप्रकाश गावा (2009), भारतीय राजनीतिक विचारक
- Thomas Pantham and Kari Deustch, Political Thought in Modern India, 1996
- M.P. Singh, Indian Political Thought person, 2012
- V.R. Mehta, Fundamental of Indian Political Thoughts, Manohar, 1992
- डॉ० नीशू कुमार (2023), भारतीय राजनीतिक चिंतन की परम्परा
- वी०एम० शर्मा, रामकृष्ण दत्त शर्मा एवं सविता शर्मा, भारतीय राजनीतिक चिंतक, रावत पब्लिकेशन।
- वी०पी० वर्मा, आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल पब्लिशर्स, आगरा।
- डॉ० पुरुषोत्तम नागर, आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर, 2019


01/08/2024


01.08.2024


11/8/24

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

शास्त्री उपाख्या (Graduate Diploma)

शास्त्री चतुर्थ सत्र (Shastri Semester IV)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम/सत्र 2023-24 से प्रभावी
मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम (Generic Elective Course)

विषय: राजनीति विज्ञान (Political Science) कोड: GE-04

पत्र: पाश्चात्य राजनीतिक चिंतक

पूर्णांक - 100

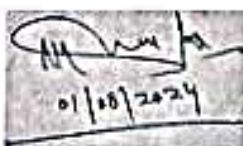
सैद्धान्तिक - 70

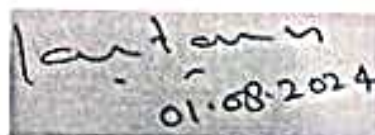
आन्तरिक मूल्यांकन - 30

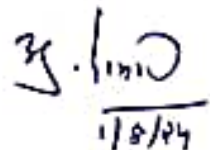
चतुर्थ सत्र GE-4	पाठ्य विषय-पाश्चात्य राजनीतिक चिंतक	क्रेडिट 05+01
इकाई		क्रेडिट
1.	प्लेटो-शिक्षा सिद्धांत, अरस्तू-नागरिकता	1
2.	मैकियावेली-राजनीतिक विचार, हाब्स-सामाजिक समझौता का सिद्धांत	1
3.	लॉक-सम्मति अधिकार, रूसो- समान इच्छा का सिद्धांत	1
4.	जेरेमी बेंथम का उपयोगितावाद का सिद्धांत	1
5.	कार्ल मार्क्स-सामाजिक, वर्ग संघर्ष का सिद्धांत	1
6.	अनुशिक्षण (Tutorial)	1

Readings:

- डॉ० प्रभुदत्त शर्मा, पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन 2013।
- D. Buncher and pearson . Kelly, 2003, Political Thinkers, Oxford University, Press
- एस.सी. सिंहल, प्राचीन भारतीय चिंतन, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल पब्लिशर्स, आगरा।
- एस.सी. सिंहल, पाश्चात्य भारतीय चिंतन, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल पब्लिशर्स, आगरा।
- डॉ. वी.एल. फाड़िया, पाश्चात्य भारतीय चिंतन, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा।
- संजीव कुमार शर्मा, राजनीतिक चिंतन की भारतीय दृष्टि, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली 2023







उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

शास्त्री उपाख्या (Graduate Diploma)

शास्त्री तृतीय सत्र (Shastri Semester III)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम/सत्र 2023-24 से प्रभावी

मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम (Generic Elective Course)

विषय: अर्थशास्त्र (Economics) कोड: GE-03

पत्र: भारतीय अर्थव्यवस्था

पूर्णांक: - 100

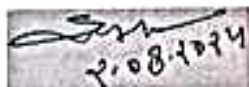
सैद्धान्तिक - 70

आन्तरिक मूल्यांकन - 30

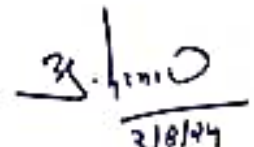
तृतीय सत्र GE-3	पाठ्य विषय- भारतीय अर्थव्यवस्था	क्रेडिट 05+01
इकाई		क्रेडिट
1.	ब्रिटिशकाल से पूर्व भारतीय अर्थव्यवस्था, भूमि व्यवस्था में परिवर्तन, ब्रिटिश काल में कर व्यवस्था, भारत से आर्थिक निकास की मात्रा।	1
2.	स्वतंत्रता के समय भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप, आर्थिक नियोजन की शुरुआत, भारतीय अर्थव्यवस्था के मूल तत्व, अर्थव्यवस्था के विकास के बाधक तत्व।	1
3.	भारत में कृषि क्षेत्र की समस्याएं, खाद्य व श्रमिक समस्या तथा जनसंख्या नियंत्रण व परिवार कल्याण योजनाएं।	1
4.	गरीबी की अवधारणा, कारण व सम्भावित उपाय, बेरोजगारी और इसके प्रभाव तथा बेरोजगारी उन्मूलन योजनाएं, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना; मनरेगा, लघु व छोटे उद्योगों का महत्व व समस्याएं।	1
5.	भारत का विदेशी व्यापार, आयात निर्यात की प्रवृत्ति, विदेशी व्यापार की संरचना, उदारीकरण, भूमण्डलीकरण, निजीकरण का भारत की अर्थव्यवस्था में महत्व।	1
6.	अनुशिक्षण (Tutorial)	1

संदर्भ पुस्तकें-

- दत्त और सुंदरम, भारतीय अर्थव्यवस्था, एस चंद एंड कंपनी, आगरा, 2021
- एल.एन. कोहली वृजेश रावत, भारतीय अर्थव्यवस्था, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल आगरा
- वी०के० पुरी, एस०के० मिश्रा, भरत गर्ग, भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालया पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2023


2/08/2024


02/08/2024


2/8/24

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

शास्त्री उपाख्या (Graduate Diploma)

शास्त्री तृतीय सत्र (Shastri Semester III)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम/सत्र 2023-24 से प्रभावी

मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम (Generic Elective Course)

विषय: अर्थशास्त्र (Economics) कोड: GE-04

पत्र: कृषि अर्थशास्त्र

पूर्णांक- 100

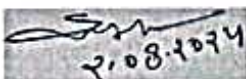
सैद्धान्तिक - 70

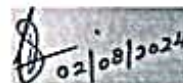
आन्तरिक मूल्यांकन - 30

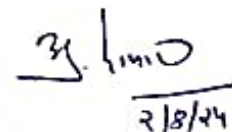
चतुर्थ सत्र GE-4	पाठ्य विषय- कृषि अर्थशास्त्र	क्रेडिट 05+01
इकाई		क्रेडिट
1.	कृषि अर्थशास्त्र का अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र, महत्व	1
2.	कृषि उत्पादकता का अर्थ, भारत में निम्न कृषि उत्पादकता के कारण, उत्पादकता बढ़ाने के उपाय, सरकार द्वारा चलाई गई योजनाएं।	1
3.	कृषि विपणन का अर्थ, महत्व, दोष, स्वतंत्रता के पश्चात् कृषि विपणन के दोषों को दूर करने के लिए सरकार द्वारा किये गये उपाय।	1
4.	हरित क्रान्ति का अर्थ, साधन, सफलता एवं असफलता, कृषि मूल्य आयोग, श्वेत क्रान्ति, नीली क्रान्ति।	1
5.	कृषि वित्त का अर्थ, स्रोत, भारतीय कृषि वित्त के दोष सरकार द्वारा किये गये प्रयास नाबार्ड।	1
6.	अनुशिक्षण (Tutorial)	1

संदर्भ पुस्तके-

- एस.बी. गुप्ता, कृषि अर्थशास्त्र, एस.बी.पी.डी. पब्लिकेशन, आगरा, 2019
- डॉ. बी.एल. माथुर, कृषि अर्थशास्त्र, अर्जुन पब्लिकेशन, दिल्ली, 2011
- हरसरन दास, कृषि अर्थशास्त्र, रामा पब्लिकेशन, मेरठ, 2023
- प्रो. रेखा डी. वसावा, कृषि, अर्थशास्त्र, जे.टी.एस. पब्लिकेशन, दिल्ली, 2018


२०८-२०२५


02/08/2024


२/८/२५